हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2023-24)

कक्षा.:9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 20 अंकों की होगी प्रायोगिक क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. वार्षिक परीक्षा 20 अंको के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे
   I. वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में (½ - ½) अंक के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे।
   II. अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्नों में (½ - ½) अंक के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे।
   III. लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्नों में (02 - 02) अंक के 03 प्रश्न पूछे जायेंगे। किसी एक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।
   IV. दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्नों में 05 अंक में 02 प्रश्न (2½ + 2½) अंक के पूछे जायेंगे। एक प्रश्न का आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।

4. प्रायोगिक क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे
   i. 20 अंकों की प्रायोगिक क्रियात्मक पुस्तिका।
   ii. किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 10 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iii. किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iv. किसी एक राग और किसी एक ताल का प्रायोगिक क्रियात्मक ज्ञान के 20 अंक।
   v. राष्ट्रीय गान की धुन, कोई भी लोक गीत धुन की मौखिक परीक्षा के 05 अंक।

5. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा
   I. 06 अंकों के लिए तीन SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
   II. 02 अंकों के लिए एक अर्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

III. 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

IV. 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

V. 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से ऊपर 80% तक	-	01 अंक
80% से ऊपर 85% तक	-	02 अंक
85% से ऊपर 90% तक	-	03 अंक
90% से ऊपर 95% तक	-	04 अंक
95% से ऊपर	-	05 अंक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम संरचना (2023-24)

कक्षा.:9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत संबंधी परिभाषाएँ	4
2	थाट की परिभाषा व थाट के नियम	2
3	स्थाई–अतंरा, आलाप, तान की परिभाषा	2
4	संगीतज्ञ के जीवन परिचय–	4
5	उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति	2
6	रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान –	6
	कुल अंक	**20**
	क्रियात्मक परीक्षा अंक	60
	आंतरिक मूल्याकन अंक	20
	कुल योग	100

- **अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ**

1. **संगीत की परिभाषा**
    - संगीत के प्रकार – गायन, वादन और नृत्य
2. **ध्वनि की परिभाषा**
    - ध्वनि के बोधक – उत्पादक, माध्यम, ग्राहक
    - कंपन के प्रकार – अनुप्रस्थ कंपन, अनुदैर्ध्य कंपन
3. **नाद की परिभाषा**
    - नाद के प्रकार – आहत नाद, अनाहत नाद
    - नाद की विशेषताएं – तारता, तीव्रता, गुण
4. **श्रुति की परिभाषा**
    - श्रुतियों के नाम
5. **स्वर की परिभाषा**
    - स्वर के प्रकार – शुद्ध स्वर, कोमल स्वर, तीव्र स्वर
6. **सप्तक की परिभाषा**
    - सप्तक के प्रकार – मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक और तार सप्तक
7. **अलंकार की परिभाषा**
    - शुद्ध स्वरों में एक से आठ अलंकार
8. **ताल की परिभाषा**
    - ताल के दस प्राण
    - विभिन्न परिभाषाएं – ताली, खाली, सम, मात्रा, बोल, विभाग,

9. **लय की परिभाषा**

- लय के प्रकार – विलंबित लय, मध्य लय, द्रुत लय

10. **राग की परिभाषा**

- राग के नियम

11. **आरोह–अवरोह, पकड़ की परिभाषा**

- आरोह–अवरोह और पकड़ के स्वरों का एक–एक उदाहरण

12. **वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा**

अध्याय 2 : थाट की परिभाषा व थाट के नियम

- थाट की परिभाषा और थाट के नियम।

अध्याय 3 : स्थाई–अतंरा, आलाप, तान की परिभाषा

- स्थाई–अंतरा की परिभाषा।
- आलाप गायन की परिभाषा व आलाप के आधुनिक प्रकार
- तान की परिभाषा व तान के मुख्य प्रकार – बोल तान, स्वर तान

अध्याय 4 : संगीतज्ञ के जीवन परिचय :

1. **पं० रविशंकर का जीवन परिचय।**
   - संगीत के क्षेत्र में पं० रविशंकर का योगदान और जीवन परिचय।
2. **अन्नपूर्णा देवी का जीवन परिचय।**
   - संगीत के क्षेत्र में अन्नपूर्णा देवी का योगदान और जीवन परिचय।

अध्याय 5 : उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति

- उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानताएं
- उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति मे भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं

अध्याय 6 : रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान

- राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय – थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी–संवादी स्वर, गायन समय, आरोह–अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर
- राग भैरव, यमन और भैरवी के छोटे ख्याल की **रजाखानी गत** /स्वरलिपि पद्धति।

प्रायोगात्मक/क्रियात्मक :

अध्याय : 7 रागों का क्रियात्मक ज्ञान

1. **राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय –**
   - थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी–संवादी स्वर, गायन समय, आरोह–अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर
2. **राग भैरव, यमन और भैरवी राग की धुन (रजाखानी गत वाद्य यंत्र पर बजा कर दिखायें)**

अध्याय : 8 राष्ट्रीय गान।

- **राष्ट्रीय गान की धुन बजाकर दिखाए (अपने वाद्य यंत्र पर)** क्रियात्मक ज्ञान

अध्याय : 9 लोक गीत।

- **कोई भी लोक गीत धुन सुनाये (अपने वाद्य यंत्र पर)** –क्रियात्मक ज्ञान

अध्याय : 10 किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –

निम्न में से किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –

- सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी)क्रियात्मक ज्ञान

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2023-24)

कक्षा.:9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	**अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ** **1.संगीत की परिभाषा** ▪ संगीत के प्रकार – गायन, वादन और नृत्य **2. ध्वनि की परिभाषा** ▪ ध्वनि के बोधक – उत्पादक, माध्यम, ग्राहक ▪ कंपन के प्रकार – अनुप्रस्थ कंपन, अनुदैर्ध्य कंपन **3. नाद की परिभाषा** ▪ नाद के प्रकार – आहत नाद, अनाहत नाद ▪ नाद की विशेषताएं – तारता, तीव्रता, गुण **4. श्रुति की परिभाषा** ▪ श्रुतियों के नाम **5. स्वर की परिभाषा** ▪ स्वर के प्रकार – शुद्ध स्वर, कोमल स्वर, तीव्र स्वर **6. सप्तक की परिभाषा** ▪ सप्तक के प्रकार – मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक और तार सप्तक	**06**	**06**	**06**
मई	**अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ** **1. अलंकार की परिभाषा** ▪ शुद्ध स्वरों में एक से आठ अलंकार **2. ताल की परिभाषा** ▪ ताल के दस प्राण ▪ विभिन्न परिभाषाएं – ताली, खाली, सम, मात्रा, बोल, विभाग, आवर्तन **3. लय की परिभाषा** ▪ लय के प्रकार – विलंबित लय, मध्य लय, द्रुत लय **4. राग की परिभाषा** ▪ राग के नियम **5. आरोह–अवरोह, पकड़ की परिभाषा** ▪ आरोह–अवरोह और पकड़ के स्वरों का एक–एक उदाहरण 6. **वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा**	04	**04**	**08**

जून	गतिविधि आवंटित की जाए			
जुलाई	(दोहराई) **अध्याय 2 : थाट की परिभाषा और थाट के नियम।** **अध्याय 3 : स्थाई–अतंरा, आलाप, तान की परिभाषा** ▪ स्थाई–अंतरा की परिभाषा। ▪ आलाप गायन की परिभाषा व आलाप के आधुनिक प्रकार ▪ तान की परिभाषा व तान के मुख्य प्रकार – बोल तान, स्वर तान	**06**	**04**	**04**
अगस्त	**अध्याय 6 व 7 : रागों व तालों का सैद्धान्तिक व क्रियात्मक ज्ञान** 1. **राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय –** ▪ थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी–संवादी स्वर, गायन समय, आरोह–अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर **2. राग भैरव, यमन और भैरवी के छोटे ख्याल रजाखानी गत/स्वरलिपि पद्धति व धुन (वाद्य यंत्र पर बजा कर दिखायें)।**	**04**	**02**	**10**
सितंबर	**दोहराई**	**04**	**04**	**08**
अक्तूबर	**अध्याय 4 :संगीतज्ञ के जीवन परिचय :** **1. पं0 रविशंकर का जीवन परिचय।** ▪ संगीत के क्षेत्र में पं0 रविशंकर का योगदान और जीवन परिचय। **2. अन्नपूर्णा देवी का जीवन परिचय।** ▪ संगीत के क्षेत्र में अन्नपूर्णा देवी का योगदान और जीवन परिचय।	**06**	**02**	**04**
नवंबर	(दोहराई) **अध्याय : 8 राष्ट्रीय गान।** ▪ **राष्ट्रीय गान की धुन बजाकर दिखाए (अपने वाद्य यंत्र पर)** क्रियात्मक ज्ञान	05	05	**08**

दिसंबर	**अध्याय 5 : उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति** ▪ उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानताएं। ▪ उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति मे भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं। **अध्याय : 10 किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –** ▪ **निम्न में से किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी** –सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सारंगी)क्रियात्मक ज्ञान	**04**	**04**	**10**
जनवरी	**अध्याय : 9 लोक गीत।** ▪ **कोई भी लोक गीत धुन सुनाये (अपने वाद्य यंत्र पर)** –क्रियात्मक ज्ञान	05	05	**08**
फ़रवरी	**(दोहराई)** **वार्षिक क्रियात्मक परीक्षा**		10	12
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक / तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

प्रश्न पत्र प्रारूप (2023-24)

कक्षा.:9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	½	**10**	02 बहु विकल्पीय प्रश्न । 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न 02 मिलान करो - प्रश्न 02 सही कथन वाले - प्रश्न	**05**
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	½	**08**	**08** एक शब्दीय उत्तर के प्रश्न।	**04**
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**02**	**03**	किसी एक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	**06**
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**2½ + 2½**	**02**	एक प्रश्न का आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	**05**
	कुल	**23**		**20**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2023-24)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 20 marks, practical examination will be of 60 marks and internal assessment will be of 20 marks.
3. The following types of questions will be asked for the annual examination for 20 marks -
   i. In objective type questions, 10 questions of (½ - ½) mark each will be asked.
   ii. In very short answer type questions, 08 questions of (½ - ½) mark each will be asked.
   iii. In short answer type questions, 03 questions of 02 marks each will be asked. Internal choice will be given in any one question.
   iv. In long answer type questions, 02 questions (2½ + 2½) of marks in 5 marks will be asked. An internal choice of one question will be given.
4. Practical test for 60 marks questions will be asked in the following way –
   I. Practical/Activity Booklet for 20 marks.
   II. Oral test of 10 marks on classical introduction to any one raga.
   III. Oral test of 05 marks for classical introduction to any one Taal.
   IV. 20 marks for practical knowledge of any one raga and any one taal.

V. Tune of the National Anthem and any Folk song 05 marks in oral examination.

5. For internal assessment :

The periodic evaluation will be as follows:

I. For 6 marks - Three SET exams will be conducted which will have a weightage of 06 marks for the final internal assessment.

II. For 2 marks - A half-yearly examination will be conducted which will have a weightage of 02 marks for the final internal assessment.

III. For 02 marks - The subject teacher will evaluate for TET (class room participation) and give a maximum of 02 marks.

IV. For 05 marks - A project work will be done by the students which will have a weightage of 05 marks for the final internal assessment.

V. For 05 marks - 05 marks will be awarded as per the attendance of the student.

Above 75% to 80% = 1 marks

Above 80% to 85% = 2 marks

Above 85% to 90% = 3 marks

Above 90% to 95% = 4 marks

Above 95% = 5 marks

Course Structure (2023-24)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

Sr. No.	Chapter	Marks
1	**Definitions related to music**	4
2	**Definition of Thaat and rules of Thaat**	2
3	**Definition of Sthai-Antra, Alap, Taan**	2
4	**Biography of Musicians**	4
5	**North and South Indian Music Systems**	2
6	**Theoretical knowledge of Ragas -**	6
Total		20
Practical Examination		60
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

Chapter 1: Definitions of Music

1. Definition of Music

- Types of music- singing, playing and dancing

2. Definition of Sound

- Perceivers of sound - producer (utpadk), medium(madhayam, consumer (Gun)
- Types of Vibration (Andolan) (Andolan) - transverse Vibration (Andolan) (Andolan), longitudinal Vibration (Andolan) (Andolan)

3. Definition of sound

- Types of Naad - Aahat Naad, Anahat Naad
- Characteristics of sound - Pitch (Tarta), Intensity (Tivrta), Quality (Gun)

4. Definition of Shruti

- Names of Shrutis

5. Definition of Swara

- Types of Swara – Shudh Swara, Komal Swara, Tivre Swara.

6. Definition of octave (Saptak)

- Types of Saptak- Mandra Saptak, Madhya Saptak and Tar Saptak

7. Definition of Ornament (Alankar)

 One to eight Alankar in Shudh Swara

8. Definition of Rhythm

 Ten Pranas of Rhythm

 Various definitions– Clap (Taali), blank (Khali), even (Sam), quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation (Aavartan)

 Three taals, Kaharwa taal, Dadra taal's scripted one guna.

9. Definition of rhythm (Laya)

 Types of rhythm(Laya) – Delayed rhythm (Vilambhit Laya) (Vilambhit Laya) , Middle rhythm (Madhya Laya) (Madhya Laya) , Fast rhythm (Dhrut Laya). (Dhrut Laya).

10. Definition of Raga

 Rules ofRaga

11. Definition of Aaroh – Avroh and Pakad

 One example each of Aaroh – Avroh and Pakad Swara

12. Definition of Plaintiff (Vaadi), Conversant (Sanwadi), Translator (Anuvaadi, Controversial (Vivadi) Swara.

Chapter 2: Definition of Thaat and Rules of Thaat

- Definition of Thaat and rules of Thaat.

Chapter 3: Definition of Sthai-Antara, Aalap, Taan

- Definition of Sthai-Antra.
- Definition of Aalap singing and modern types of Aalap
- Definition of Ta n and main types of Taan - spoken Swara (Bol Taan), vocal Swara (Swara Taan).

Chapter 4: Biography of the Musician:

1. Life introduction of Pt. Ravi Shankar.

- Contribution and life introduction of Pandit Ravi Shankar in the field of music.

2. Life introduction of Annapurna Devi.

- Contribution and life introduction of Annapurna Devi in the field of music.

Chapter 5: North and South Indian Music Systems

- Similarities in North and South Indian music system
- Language, rhythm, raga classification, singing styles, playing styles, differences in Swara in North and South Indian music system

Chapter 6: Theoretical Knowledge of Ragas

- Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and

Bhairavi - Thaat, caste (Jati), swara, nyas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar

- Rajakhani Gat/Swarlipi method of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi.

Experimental/Functional :

Chapter: 7 Functional Knowledge of Ragas

1. Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi -

- Thaat, caste (Jati), swara, nyas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar

2. Tune (of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi (show it by playing it on the instrument)

Chapter: 8 National Anthem.

- Demonstrate practical knowledge by playing the tune of the National Anthem (on your instrument)

Chapter: 9 Folk Songs.

- Recite any folk song tune (on your instrument) - practical knowledge

Chapter: 10 Information about playing any one instrument -

- Knowledge of playing any one of the following instruments -

- Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Mandolin, Guitar, Sarangi) practical knowledge

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2023-24)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	**Chapter:1 Definitions of Music** **1. Definition of Music** □ Types of music - singing, playing and dancing **2.Definition of Sound** □ Perceivers of sound - producer (utpadk), medium(madhayam, consumer (Gun) □ Types ofVibration (Andolan) (Andolan) – transverse Vibration (Andolan), longitudinal Vibration (Andolan) **3. Definition of sound** □ Types of Naad - Aahat Naad, Anahat Naad □ Characteristics of sound - Pitch (Tarta), Intensity (Tivrta), Quality (Gun) **4.Definition of Shruti** □ Names of Shrutis **5. Definition of Swara** □ Types of Swara - pure Swara, soft Swara, sharp Swara **6.Definition of octave (Saptak)** □ Types of Saptak- Mandra Saptak, Madhya Saptak and Tar Saptak	**06**	**06**	**06**

May	**Chapter 1: Definitions of Music** 1. Definition of Ornament (Alankar) □ One to eightAlankar in pure Swara **2. Definition of Rhythm** □ Ten Pranas of Rhythm □ Various definitions- clap (Taali), blank (Khaali), even (Sam), quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation(Avartan) □ Three taals, Kaharwa taal, Dadra taal's scripted one guna. **3. Definition of Rhythm** □ Types of rhythm- delayed rhythm, middle rhythm, fast rhythm **4. Definition of Raga** □ Rules of melody **5. Ascension, definition** of hold □ One example each ofAaroh – Avroh and Pakad Swara **6. Definition of Vaadi-Samwadi and pakad swara**	04	**04**	**08**
June	Activity to be assigned			

July	**(Revision)** **Chapter 2: Definition of Thaat and Laws of Thaat.** **Chapter 3: Definition of Sthai-Antara, Aalap, Taan** □ Definition ofSthai -Antra. □ Definition of Aalap singing and modern types of Aalap □ Definition of Swara and main types of Swara - spoken Swara, vocal Swara	**06**	**04**	**04**
August	Chapter 6 and 7: Theoretical and practical knowledge of ragas and talas 1. Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi - □ Thaat, caste (Jati), swara, nyas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar 2. Rajakhani Gat/Swarlipi method and tune of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi (show it by playing on the instrument).	**04**	**02**	**10**
September	**Revision**	**04**	**04**	**08**

October	Chapter 4: Biography of the Musician: 1. Life introduction of Pt. Ravi Shankar. □ Contribution and life introduction of Pandit Ravi Shankar in the field of music. 2. Life introduction of Annapurna Devi. □ Contribution and life introduction of Annapurna Devi in the field of music.	**06**	**02**	**04**
November	**(Revision)** Chapter: 8 National Anthem. Demonstrate practical knowledge by playing the tune of the National Anthem (on your instrument)	05	05	**08**

December	Chapter 5: North and South Indian Music Systems □ Similarities in North and South Indian music systems. □ Language, taal, raga classification, singing styles, playing styles, differences in Swara in North and South Indian music system. Chapter: 10 Information about playing any one instrument - □ Knowledge of playing any one of the following instruments - Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Medolin, Guitar, Sarangi) Functional knowledge	**04**	**04**	**10**
January	Chapter: 9 Folk Songs. □ Recite anyfolk song tune (on your instrument) - practical knowledge	05	05	**08**
February	**(Revision)** Annual Practical Examination		10	12
March	Annual Examination			

<u>Note:</u> Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design (2023-24)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	½	**10**	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 Matching Questions 02 Correct Statement's Questions	**05**
Very short answer type questions	½	**08**	08 One word answer type questions.	**04**
Short answer questions	**02**	**03**	Internal choice will be given in any 01 question	**06**
Long answerable Question	**2½ + 2½**	**02**	An internal choice of one question will be given.	**05**
	Total	**23**		**20**